पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	अनुवाद : आवश्यकता और स्वरूप
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-1001**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	अनुवाद एवं अनुवाद–विज्ञान में अंतर का सामान्य परिचय
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक अध्ययन

उद्देश्य	1. अनुवाद की आवश्यकता एवं उसकी बढ़ती उपयोगिता के बारे में ज्ञान कराना। 2. अनुवाद की परिभाषा एवं उसके स्वरूप से अवगत कराना। 3. अनुवाद–अध्ययन के स्रोतों की जानकारी देना।
अधिगम उपलब्धियाँ	❖ अनुवाद के उद्भव एवं विकास को जानते हुये उसकी उपयोगिता को समझेंगे। ❖ अनुवाद के स्वरूप के संबंध में सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ❖ पश्चिम एवं भारत में अनुवाद–अध्ययन के परिप्रेक्ष्य से अवगत हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम	माड्यूल	विषय		व्याख्यान
	इकाई–1	1.1	अनुवाद का जन्म : पश्चिम और पूर्व	
		1.2	आकस्मिकता और ऐतिहासिक आवश्यकता	
		1.3	उपयोगिता का आरंभिक चरण	
		1.4	अनुवाद और वैश्वीकरण	
	इकाई–2	2.1	परिभाषाओं में निहित अनुवाद–अर्थ	
		2.2	स्रोतभाषा और लक्ष्यभाषा संबंध	
		2.3	अनुवाद क्या है–कला या शिल्प	
		2.4	अनुवाद एक विकसित विज्ञान	
	इकाई–3	3.1	अनुवाद और अनुवाद–अध्ययन	
		3.2	पश्चिम में अनुवाद–अध्ययन : आरंभ	
		3.3	भारतीय अनुवाद–अध्ययन : आरंभ	
		3.4	अनुवाद–अध्ययन के स्रोतों में अंतर	

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05–05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 100–150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10–10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 200–250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15–15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान : कैलाश चंद्र भाटिया
3. अनुवाद विज्ञान : (सं0) डा0 नगेन्द्र
4. अनुवाद सैद्धांतिकी : प्रदीप सक्सेना
5. टुवर्ड्स साइंस ऑफ़ ट्रांसलेशन : यू.ए. नाइडा
6. ट्रांसलेशन स्टडीज़ : सूज़ा
7. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग : जी.गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	अनुवाद : परंपरा और इतिहास
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-1002**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	पूर्व एवं पश्चिम की अवधारणा के संबंध में जानकारी। अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष का सामान्य ज्ञान।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक अध्ययन
उद्देश्य	1. अनुवाद की परंपरा और इतिहास से परिचित कराना। 2. पश्चिम में अनुवाद के उद्भव एवं विकास से अवगत कराना। 3. भारतीय परिप्रेक्ष्य में अनुवाद–परंपरा की विस्तृत जानकारी। 4. भारतीय संस्कृत–फारसी, संस्कृत–अंग्रेज़ी, संस्कृत–फारसी–हिंदी अनुवाद की जानकारी देना।
अधिगम उपलब्धियाँ	❖ पश्चिम एवं भारत में अनुवाद के ऐतिहासिक स्वरूप एवं उसकी महत्ता से अवगत हो सकेंगे। ❖ भारतीय अनुवाद–परंपरा एवं हिंदी साहित्य एवं विभिन्न ज्ञानानुशासनों के अनुवाद की जानकारी प्राप्त होगी।

पाठ्यक्रम	माड्यूल	विषय		व्याख्यान
	इकाई–1	1.1	अनुवाद–परंपरा से अभिप्राय	
		1.2	बहुभाषिकता और एकभाषिकता	
		1.3	अनुवाद और व्यापार	
		1.4	बाइबिल–अनुवाद की ऐतिहासिकता	
	इकाई–2	2.1	संस्कृत–फ़ारसी अनुवाद–परंपरा	
		2.2	संस्कृत–अंग्रेज़ी अनुवाद का परिप्रेक्ष्य	
		2.3	संस्कृत–फ़ारसी–हिंदी अनुवाद–परंपरा	
		2.4	क्लासिक काव्य का गद्यानुवाद	
	इकाई–3	3.1	हिंदी में साहित्यानुवाद की परंपरा (अंग्रेज़ी–हिंदी)	
		3.2	विभिन्न ज्ञानानुशासनों में अनुवाद की परंपरा (अंग्रेज़ी–हिंदी)	
		3.3	हिंदी–अनुवाद चिंतन–परंपरा	
		3.4	प्रयोजनमूलक अनुवाद	

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05–05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 100–150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10–10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 200–250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15–15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान : कैलाश चंद्र भाटिया
3. अनुवाद विज्ञान : (सं0) डा0 नगेन्द्र
4. अनुवाद सैद्धांतिकी : प्रदीप सक्सेना
5. टुवर्ड्स साइंस ऑफ़ ट्रांसलेशन : यू.ए. नाइडा
6. ट्रांसलेशन स्टडीज़ : सूज़ा
7. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	**अनुवाद : प्रक्रिया एवं प्रकार**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-1003**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि उन्हें हिंदी–अँगरेज़ी (विलोमतः /VICE VERSA) अनुवाद की समझ के साथ हिंदी–अँगरेज़ी में अनूदित कुछ प्रमुख/महत्त्वपूर्ण कृतियों की भी जानकारी हो।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक अध्ययन

उद्देश्य	इस प्रश्नपत्र के माध्यम से अनुवाद–प्रक्रिया एवं स्वरूप से परिचित करवाते हुए, अनुवाद के कतिपय प्रमुख प्रकारों के विषय में समग्रता से जानकारी देना।
अधिगम उपलब्धियाँ	❖ अनुवाद, अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद के स्वरूप को भलीभाँति समझने की दक्षता। ❖ अनुवाद के प्रमुख प्रकारों को समग्रता में जानने–समझने की क्षमता। ❖ अनुवाद के विविध पक्षों को जानने का कौशल।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	1.1 द्वैभाषिक अनुवाद–प्रक्रिया 1.2 प्रक्रिया : एक वैज्ञानिक प्रणाली 1.3 प्रक्रिया का चरणात्मक स्वरूप 1.4 लेखक–पाठक–अनुवादक	
	इकाई–2	2.1 शब्दानुवाद 2.2 भावानुवाद 2.3 मुक्तानुवाद 2.4 सारानुवाद	
	इकाई–3	3.1 अनुवाद–पुनर्सृजन 3.2 व्याख्यानुवाद 3.3 वार्तानुवाद 3.4 आशु अनुवाद	

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05–05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 100–150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10–10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 200–250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15–15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान : कैलाश चंद्र भाटिया
3. अनुवाद विज्ञान : (सं0) डा0 नगेन्द्र
4. अनुवाद सैद्धांतिकी : प्रदीप सक्सेना
5. टुवर्ड्स साइंस ऑफ़ ट्रांसलेशन : यू.ए. नाइडा

6.	ट्रांसलेशन स्टडीज़	:	सूज़ा
7.	अनुवाद और तत्काल भाषांतरण	:	सं. विमलेश कांति वर्मा / मालती, सूचना और प्रसारण मंत्रालय
8.	अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य	:	रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, द्वितीय संस्करण 2010
8.	हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण	:	डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	अनुवाद : सिद्धांत
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-1004**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	अनुवाद के संबंध में सामान्य ज्ञान।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक अध्ययन

उद्देश्य	1. अनुवाद–सिद्धांत के स्वरूप से अवगत कराना। 2. अनुवाद के विविध सिद्धांतों की विस्तृत जानकारी देना। 3. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत का ज्ञान कराना।
अधिगम उपलब्धियाँ	❖ अनुवाद–सिद्धांत की निर्माण–प्रक्रिया से अवगत कराना। ❖ अनुवाद–सिद्धांत के माध्यम से वस्तु–तत्व और शिल्प–तत्व की समझ। ❖ अनुवाद और भाषाविज्ञान के अंतसंबंध को समझते हुए अनुवाद की समस्याओं का ज्ञान होगा।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	1.1 अनुवाद–सिद्धांत 1.2 अनुवाद और अभिगम 1.3 सैद्धांतिक सामग्री के स्रोत 1.4 अनुवाद और संस्कृति	
	इकाई–2	2.1 अनुवादक के गुण / योग्यता 2.2 समतुल्यता का सिद्धांत 2.3 वस्तु–तत्त्व और शिल्प 2.4 अर्थ–संप्रेषण	
	इकाई–3	3.1 अनुवाद और भाषा–विज्ञान 3.2 पाठ–विश्लेषण की समस्याएँ 3.3 सूचना एवं तथ्य 3.4 अभिव्यक्ति की कठिनाइयाँ	

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05–05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 100–150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10–10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 200–250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15–15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान : कैलाश चंद्र भाटिया
3. अनुवाद विज्ञान : (सं0) डा0 नगेन्द्र
4. अनुवाद सैद्धांतिकी : प्रदीप सक्सेना
5. टुवर्ड्स साइंस ऑफ़ ट्रांसलेशन : यू.ए. नाइडा
6. ट्रांसलेशन स्टडीज़ : सूज़ा

8. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	**अनुवाद की योग्यताएँ**
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-2001**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	अनुवाद की सामान्य समझ के साथ भाषाविज्ञान–शैलीविज्ञान की सामान्य जानकारी अपेक्षित।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक अध्ययन
उद्देश्य	अनुवादक के गुणों सहित उसकी अपेक्षित योग्यताओं की जानकारी देना तथा प्रमुख अनुवाद चिंतकों के विचार और उनकी अवधारणाओं से व्यापक परिचय करवाना।
अधिगम उपलब्धियाँ	❖ एक अच्छे अनुवादक के गुणों तथा अपेक्षित योग्यताओं का व्यापक ज्ञान। ❖ अनुवाद–विषय–आधारित भाषाविज्ञान का कौशल। ❖ प्रमुख अनुवाद चिंतकों की अवधारणाओं की समग्र समझ।

पाठ्यक्रम	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
	इकाई–1	1.1 अनुवादक : एक विशेष चरित्र 1.2 द्वैभाषिक–स्रोत एवं लक्ष्य–भाषा प्रवीण 1.3 विषय–सामग्री पर अधिकार 1.4 शैलीगत तत्त्वों का महत्त्व	
	इकाई–2	2.1 सांस्कृतिक संदर्भ 2.2 वाक्य–संरचनाएँ 2.3 व्यतिरेकों के स्तर 2.4 अर्थ–वैज्ञानिक संज्ञान	
	इकाई–3	3.1 यूजीन ए नाइडा 3.2 पीटर न्यूमार्क 3.3 भोलानाथ शर्मा 3.4 भोलानाथ तिवारी	

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05–05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 100–150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10–10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 200–250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15–15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान : कैलाश चंद्र भाटिया
3. अनुवाद विज्ञान : (सं0) डा0 नगेन्द्र
4. अनुवाद सैद्धांतिकी : प्रदीप सक्सेना
5. टुवर्ड्स साइंस ऑफ़ ट्रांसलेशन : यू.ए. नाइडा
6. ट्रांसलेशन स्टडीज़ : सूज़ां
7. प्रतिष्ठित अनुवादक, : संपा. डा. पूरनचंद टंडन, प्रधान संपा. नीता गुप्ता, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली
8. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	अनुवाद और व्यतिरेकी विश्लेषण (हिंदी–अंग्रेज़ी के संदर्भ में)
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-2002**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	हिंदी–अंग्रेज़ी व्याकरण और वाक्य–रचना का ज्ञान।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक अध्ययन

उद्देश्य	1. अनुवाद और व्यतिरेकी विश्लेषण के सैद्धांतिक आधार की जानकारी कराना। 2. हिंदी–अंग्रेज़ी की व्याकरणिक कोटियों में विभिन्न स्तर पर व्यतिरेक की पहचाना कराना। 3. हिंदी–अंग्रेज़ी वाक्य–संरचना का तुलनात्मक अध्ययन कराना।
अधिगम उपलब्धियाँ	❖ अनुवाद और व्यतिरेकी विश्लेषण के अंतःसंबंध से अवगत होंगे। ❖ हिंदी–अंग्रेज़ी की व्याकरणिक कोटियों में व्यतिरेक की समस्याएँ और उनके समाधान से अवगत होंगे। ❖ हिंदी–अंग्रेज़ी की वाक्य संरचना की तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से अनुवाद करना सीखेंगे।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	1.1 व्यतिरेक : एक अध्ययन–पद्धति 1.2 व्यतिरेक : प्रारंभ एवं विकास 1.3 व्यतिरेक और अनुवाद : अंतःसंबंध 1.4 व्यतिरेकी विश्लेषण के सिद्धांत 1.5 व्यतिरेक एवं संप्रेषण	
	इकाई–2	2.1 व्यतिरेक के विभिन्न स्तर 2.2 लिंग, वचन और कारक के स्तर पर व्यतिरेकी समस्याएँ 2.3 सर्वनाम एवं उसके भेद तथा व्यतिरेकी संस्तर 2.4 क्रिया के स्तर पर व्यतिरेक : समस्याएँ और समाधान	
	इकाई–3	3.1 अंग्रेज़ी वाक्य–संरचना : स्वरूप विश्लेषण 3.2 अन्वय पदक्रम 3.3 पूर्वसर्ग, परसर्ग 3.4 लोकोक्तियाँ और मुहावरे	

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05–05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 100–150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10–10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 200–250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15–15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान : (सं0) डा० नगेन्द्र
3. अनुवाद सैद्धांतिकी : प्रदीप सक्सेना
4. टुवर्ड्स साइंस ऑफ़ ट्रांसलेशन : यू.ए. नाइडा
5. ट्रांसलेशन स्टडीज : सूज़ां
6. अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग : (सं.) डा० कैलाशचन्द्र भाटिया
7. हिंदी में शोध और विकास के आयाम : डा० आरिफ़ नज़ीर
8. भारत की उन्नति और साहित्य : डॉ० आरिफ़ नज़ीर
9. अनुवाद : सिद्धांत और स्वरूप : डॉ० आरिफ़ नज़ीर
10. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	तुलनात्मक–व्याकरण
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-2003**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	हिंदी–अंग्रेज़ी व्याकरण और वाक्य–रचना का ज्ञान।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक अध्ययन
उद्देश्य	1. अनुवाद–व्याकरण के विभिन्न भेदों की जानकारी देना। 2. अनुवाद–व्याकरण के तत्वों का सम्यक् ज्ञान कराना। 3. अंग्रेज़ी–हिंदी, सर्वनाम के स्वरूप एवं उनका तुलनात्मक अध्ययन कराना। 4. अंग्रेज़ी–हिंदी की वाच्य–व्यवस्था का तुलनात्मक अध्ययन कराना।
अधिगम उपलब्धियाँ	❖ अनुवाद–व्याकरण का ज्ञान प्राप्त करके अनुवाद में उसकी विशिष्टता को जानेंगे। ❖ अंग्रेज़ी–हिंदी संज्ञा, सर्वनाम का अंतर समझकर उचित अनुवाद करने में सहायता होगी। ❖ अंग्रेज़ी–हिंदी के वाच्य–स्वरूप की विस्तृत जानकारी प्राप्त करके अनुवाद में वाच्य के प्रयोग को जान सकेंगे।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	1.1 अनुवाद–व्याकरण की विशिष्टता 1.2 सार्वभौमिक व्याकरण के तत्त्व 1.3 संरचनात्मक बनाम संप्रेषणात्मक व्याकरण 1.4 विकल्प विश्लेषण	
	इकाई–2	2.1 संज्ञा एवं संज्ञा–पदबंध 2.2 सर्वनाम का स्वरूप 2.3 अंग्रेज़ी–हिंदी सर्वनाम 2.4 अंग्रेज़ी–हिंदी सर्वनामों में अंतर	
	इकाई–3	3.1 वाच्य का स्वरूप 3.2 हिंदी में वाच्य–व्यवस्था 3.3 अंग्रेज़ी में कर्मवाच्य 3.4 अंग्रेज़ी–हिंदी–कर्मवाच्य में अंतर	

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05–05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 100–150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10–10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 200–250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15–15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान : कैलाश चंद्र भाटिया
3. अनुवाद विज्ञान : (सं0) डा0 नगेन्द्र
4. अनुवाद सैद्धांतिकी : प्रदीप सक्सेना
5. टुवर्ड्स साइंस ऑफ़ ट्रांसलेशन : यू.ए. नाइडा
6. ट्रांसलेशन स्टडीज़ : सूज़ां
7. हिंदी वर्तनी और व्याकरण (अशुद्धि शोधन) : डा. हरदेव बाहरी, संस्करण–1992, दिल्ली
8. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	अनुवाद का सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-2004**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	भाषा, समाज और संस्कृति के अंतर्संबंध से परिचित। सामान्य व्यावहारिक अनुवाद का ज्ञान।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक / व्यावहारिक अध्ययन
उद्देश्य	1. भारत की बहुभाषिक स्थिति के व्यावहारिक अनुवाद में पड़ने वाले प्रभाव से परिचय होगा। 2. अनुवाद में सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ का परिप्रेक्ष्य स्पष्ट होगा।
अधिगम उपलब्धियाँ	❖ हिंदी–अंग्रेज़ी भाषा के सामाजिक संदर्भ और उनके सांस्कृतिक लेन–देन को जान सकेगा। ❖ व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास में हिंदी–अंग्रेजी भाषा के सांस्कृतिक वैशिष्ट्य से अवगत हो सकेगा।

पाठ्यक्रम	माड्यूल	विषय		व्याख्यान
	इकाई–1	1.1	बहुभाषिक समाज से तात्पर्य और भारतीय समाज की बहुभाषिकता	
		1.2	बहुभाषिक समाज में संपर्क भाषा	
		1.3	बहुभाषिक समाज में अनुवाद के क्षेत्रा	
		1.4	राष्ट्रीय, सांस्कृतिक सामाजिक एकता और अनुवाद की भूमिका	
		1.5	भाषा और संस्कृति	
	इकाई–2	2.1	सांस्कृतिक लेन–देन और अनुवाद की प्रक्रिया	
		2.2	प्रकार्यात्मक और सांस्कृतिक पुनर्गठन का परिप्रेक्ष्य	
		2.3	पारिस्थितिकी और संस्कृति : मैदान, पहाड़, घाटियाँ, नदियाँ, वन	
		2.4	भौतिक संस्कृति : रहन–सहन, खान–पान, रीति–रिवाज, आवास, खेल	
		2.5	साहित्य और संस्कृति : गद्य–पद्य, छंद, अलंकार, महाकाव्य, नाटक : अभिव्यक्ति कौशल	
	इकाई–3	3.1	विशिष्ट सांस्कृतिक शब्दावली और अभिव्यक्तियाँ	
		3.2	मुहावरा मीमांसा – परिभाषा, निर्मिति और वर्गीकरण	
		3.3	मुहावरों का व्यावहारिक अनुवाद	
		3.4	लोकोक्ति मीमांसा – परिभाषा, निर्मित और वर्गीकरण	
		3.5	मुहावरों का व्यावहारिक अनुवाद	

नोट : (i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05–05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 100–150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10–10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा 200–250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15–15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान : कैलाश चंद्र भाटिया
3. अनुवाद विज्ञान : (सं0) डा0 नगेन्द्र
4. अनुवाद सैद्धांतिकी : प्रदीप सक्सेना
5. टुवर्ड्स साइंस ऑफ़ ट्रांसलेशन : यू.ए. नाइडा
6. ट्रांसलेशन स्टडीज़ : सूज़ां
7. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य : रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन
8. हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद : डा. आलोक कुमार रस्तोगी, शाहदरा, दिल्ली
9. भारतीय भाषाओं से हिंदी अनुवाद की समस्याएँ : भोलानाथ तिवारी व किरण बाला, शब्दकार, शाहदरा, दिल्ली
10. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	कार्यालयी अनुवाद और हिंदी
पाठ्यक्रम क्रमांक	**OHT-2091**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	मुक्त वैकल्पिक
पूर्वापेक्षा	अंग्रेज़ी–हिंदी का सामान्य ज्ञान
संपर्क समयांतराल	04
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक अध्ययन
उद्देश्य	कार्यालयी अनुवाद सम्बन्धी शिक्षा
अधिगम उपलब्धियाँ	

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**भारतीय प्रशासन और अनुवाद** 1.1 प्रशासनिक कार्यों में अनुवाद की आवश्यकता 1.2 केन्द्रीय सरकार और अनुवाद 1.3 अनुवाद संबंधी व्यवस्थाएँ 1.4 विस्तृत होता अनुवाद क्षेत्र	
	इकाई–2	**संघ की राजभाषा नीति** 2.1 राजभाषा से तात्पर्य और उसके प्रयोजन 2.2 स्वतंत्र भारत में राजभाषा का प्रश्न 2.3 संविधान में राजभाषा-व्यवस्था 2.4 राजभाषा अधिनियम	
	इकाई–3	**राजभाषा व्यवहार** 3.1 राजभाषा अधिनियम-1976 : सामान्य परिचय 3.2 राजभाषा अधिनियम-76 के प्रमुख पक्ष 3.3 हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान 3.4 तिमाही प्रगति रिपोर्ट	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(i) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1.	अनुवाद विज्ञान	:	भोलानाथ तिवारी
2.	कार्यालयी अनुवाद	:	कैलाश चंद्र भाटिया
3.	व्यावहारिक अनुवाद	:	आलोक रस्तोगी
4.	राजभाषा हिंदी	:	प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
5.	कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ	:	भोलाथान तिवारी तथा अन्य
6.	हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण	:	डॉ० आरिफ़ नज़ीर
7.	प्रशासनिक शब्दावली हिंदी–अंग्रेज़/ अंग्रेज़ी–हिंदी	:	वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	शब्दकोश विज्ञान
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-3001**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	सामान्य भाषा–विज्ञान की विविध शाखाओं का तथा अनुवाद–विज्ञान का परिचय
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक अध्ययन

उद्देश्य	शब्दकोश विज्ञान का अध्ययन एवं शब्दकोशों के भेदों का व्यावहारिक अध्ययन करना।
अधिगम उपलब्धियाँ	❖ शब्दकोश विज्ञान के अंतर्गत शब्दकोश के स्वरूप एवं भेदों का अध्ययन कर सकेगा। ❖ शब्दकोश–निर्माण की सैद्धांतिकी और उसकी प्रक्रिया से अवगत हो सकेगा। ❖ विभिन्न शब्दकोशों के व्यावहारिक अभ्यास का कौशल विकसित कर सकेगा।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**शब्दकोश : स्वरूप और भेद** 1.1 शब्दकोश : अवधारणा और स्वरूप 1.2 भाषांतरण कोश : एकभाषी, द्विभाषी, त्रिभाषी 1.3 व्युत्पत्तिपरक कोश 1.4 अभिव्यक्ति कोश : विशिष्ट अभिव्यक्ति, मुहावरे एवं लोकोक्ति कोश 1.5 व्यक्ति कोश 1.6 पारिभाषिक कोश 1.7 थिसारस एवं विश्वकोश	
	इकाई–2	**शब्दकोश-निर्माण : सिद्धांत और प्रक्रिया** 2.1 शब्दकोश-निर्माण : सिद्धांत एवं सोपान 2.2 शब्दार्थ-संग्रह की समस्याएँ 2.3 अर्थ-निर्धारण एवं अर्थ-प्रस्तुति 2.4 आदर्श पर्याय एवं सामान्य व्यावहारिक पर्याय 2.5 हिन्दी शब्दकोश-परंपरा	
	इकाई–3	**विभिन्न शब्दकोश : व्यावहारिक अध्ययन** 3.1 अंग्रेज़ी-हिंदी कोश - फ़ादर कामिल बुल्के 3.2 प्रशासनिक शब्दावली - वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग 3.3 हिंदी विश्वकोश (मानविकी खंड) - डॉ0 नगेंद्र 3.4 अभिव्यक्ति कोश - कैलाश चंद्र भाटिया 3.5 अनुवाद में शब्दकोशों की उपयोगिता	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर

की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. कोश-विज्ञान–सिद्धांत और प्रयोग, आचार्य रामचंद्र वर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. अभिव्यक्ति कोश (हिंदी-अंग्रेजी), कैलाशचंद्र भाटिया तथा रचना भाटिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

8. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	पारिभाषिक शब्दावली
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-3002**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	विद्यार्थियों से सामान्य व्यावहारिक व्याकरण एवं कार्यालयी भाषा–प्रयोग की अपेक्षा।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक / व्यावहारिक अध्ययन

उद्देश्य	प्रशासनिक एवं कार्यालयी क्षेत्र में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली से समग्रता के साथ अध्ययन करवाना। अकादमिक क्षेत्र में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान करवाना।
अधिगम उपलब्धियाँ	❖ पारिभाषिक शब्दावली के स्वरूप एवं उसकी अवधारणा की दक्षता। ❖ प्रशासनिक, अकादमिक पारिभाषिक शब्दावली के परिज्ञान की क्षमता। ❖ प्रयोजनपरक अन्य क्षेत्रों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली का कौशल।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**पारिभाषिक शब्दावली : अवधारणा और स्वरूप** 1.1 पारिभाषिक शब्दावली : अभिप्राय, अवधारणा और स्वरूप 1.2 पारिभाषिक शब्दावली का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य 1.3 पारिभाषिक और प्रयुक्ति : क्षेत्र 1.4 पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत और समस्याएँ	
	इकाई–2	**पारिभाषिक शब्दावली : अकादमिक क्षेत्र** 2.1 साहित्य 2.2 मानविकी 2.3 विज्ञान 2.4 तकनीकी 2.5 आयुर्विज्ञान	
	इकाई–3	**पारिभाषिक शब्दावली : प्रयोजनपरक क्षेत्र** 3.1 प्रशासनिक एवं कार्यालयी 3.2 वाणिज्य 3.3 बीमा एवं बैंकिंग 3.4 कंप्यूटर एवं इन्टरनेट 3.5 मीडिया	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. बृहद पारिभाषिक शब्द-संग्रहः कृषि-विज्ञान,वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
2. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, इंजीनियरी-।।,वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग,शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
3. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, इंजीनियरी(सिविल,विद्युत,यांत्रिक), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
4. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, विज्ञान : खंड - 2, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
5. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, विज्ञान, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
6. बृहत् पारिभाषिक शब्द संग्रह, मुद्रण इंजीनियरी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार, दिल्ली
7. इस्पात एवं अलोह धातुकर्म शब्दावली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार, दिल्ली
8. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, विज्ञान : खंड - 1, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
9. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, आयुर्विज्ञान - भेषज विज्ञान, शारीरिक नृविज्ञान, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
10. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, आयुर्विज्ञान, कृषि एवं इंजीनियरी (हिंदी-अंग्रेजी), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
11. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	साहित्यिक अनुवाद
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-3003**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	सृजनात्मक साहित्य एवं अनुवाद का सामान्य ज्ञान।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक / व्यावहारिक अध्ययन

उद्देश्य	1. सर्जनात्मक साहित्यानुवाद के स्वरूप और समस्याओं से अवगत कराना। 2. विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अनुवाद की जानकारी देना। 3. अंग्रेजी–हिंदी अनुवाद का व्यावहारिक अभ्यास कराना।
अधिगम उपलब्धियाँ	1. सर्जनात्मक साहित्यानुवाद के वैशिष्ट्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगें। 2. विभिन्न विधाओं में साहित्यानुवाद करना सीखेंगें। 3. साहित्यिक अनुवाद की समस्याओं का समाधान कराना सीखेंगें।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**सर्जनात्मक साहित्यानुवाद : स्वरूप और समस्याएँ** 1.1 सर्जनात्मक साहित्यानुवाद का वैशिष्ट्य 1.2 शब्दशक्ति : अभिधा, लक्षणा और व्यंजना 1.3 सांस्कृतिक संदर्भ 1.4 काल-बोध एवं स्थिति-बोध 1.5 शैलीगत वैशिष्ट्य 1.6 विधागत वैशिष्ट्य	
	इकाई–2	**विभिन्न साहित्यिक रूप और अनुवाद** 2.1 सर्जनात्मक गद्य का अनुवाद : ध्वनि, वक्रोक्ति, व्यंजना; तान, अनुतान, बलाघात; सांस्कृतिक पक्ष ; मुहावरे और लोकोक्तियाँ; शैली 2.2 वैचारिक गद्य का अनुवाद : पारिभाषिकी, विश्लेषणात्मकता 2.3 काव्यानुवाद : लय, तुक, छंद, बिंब, प्रतीक, मिथक; नाद-सौंदर्य; रस; अलंकार 2.4 नाट्यानुवाद : तान, अनुतान, बलाघात; ध्वन्यात्मकता; अपूर्ण और संकेतात्मक वाक्य-रचना;विडंबना; प्रभावी संप्रेषण	
	इकाई–3	**अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद का व्यावहारिक अभ्यास** 3.1 सर्जनात्मक गद्य (केवल कहानी-अंश) 3.2 वैचारिक गद्य (केवल एक अनुच्छेद) 3.3 काव्यानुवाद (अधिकतम 20 पंक्तियाँ) 3.4 नाट्यानुवाद (केवल चार संवाद)	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1.भारतीय भाषाओं से हिंदी अनुवाद की समस्याएँ, भोलानाथ तिवारी व किरण बाला, शब्दकार, शाहदरा, दिल्ली
2.काव्यानुवाद की समस्याएँ (साहित्य का अनुवाद), भोलानाथ तिवारी व महेन्द्र चतुर्वेदी, शब्दकार, शाहदरा, दिल्ली

3. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	प्रशासनिक अनुवाद
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-3004**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	भाषा–प्रयुक्ति का ज्ञान तथा हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा के प्रशासनिक क्षेत्र में प्रयोग की जानकारी
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक / व्यावहारिक अध्ययन

उद्देश्य	1. हिंदी अंग्रेज़ी प्रशासनिक भाषा के वैशिष्ट्य का ज्ञान 2. हिंदी अंग्रेज़ी के प्रशासनिक पत्राचार का परिचयात्मक ज्ञान तथा व्यावहारिक अनुवाद–अभ्यास
अधिगम उपलब्धियाँ	1. हिंदी अंग्रेज़ी प्रशासनिक भाषा के प्रयोग से अवगत होना। 2. प्रशासनिक पत्राचार की जानकारी एवं व्यावहारिक अनुवाद–अभ्यास कौशल

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**प्रशासनिक अनुवाद : स्वरूप, प्रकृति और अंग** 1.1 प्रशासनिक भाषा : स्वरूप और प्रकृति 1.2 प्रशासनिक शब्दावली का वैशिष्ट्य 1.3 समतुल्यता और एकरूपता का प्रश्न 1.4 अभिव्यक्तियाँ और टिप्पणियाँ 1.5 पदनाम और संक्षिप्तियाँ 1.6 वाक्य-विन्यास और संरचना 1.7 शब्दशः अनुवाद और बोधगम्यता	
	इकाई–2	**सरकारी वर्ग के पत्रों का अनुवाद : व्यावहारिक अभ्यास** 2.1 शासकीय पत्र 2.2 शासनादेश 2.3 अर्द्धशासकीय पत्र 2.4 अशासकीय पत्र	
	इकाई–3	**विज्ञप्ति वर्ग के पत्रों का अनुवाद : व्यावहारिक अभ्यास** 3.1 परिपत्र 3.2 कार्यालय-ज्ञापन 3.3 अनुस्मारक 3.4 अधिसूचना 3.5 प्रेस-विज्ञप्ति 3.6 संकल्प	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. औपचारिक पत्र-लेखन, ओमप्रकाश सिंहल, किताबघर, संस्करण-1993, नयी दिल्ली
2. प्रशासनिक शब्द-मालाएँ, शिवनारायण चतुर्वेदी, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
3. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन और अनुवाद
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-3011**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	अनुवाद और कम से कम दो साहित्यों का सामान्य ज्ञान अपेक्षित।
संपर्क समयांतराल	–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक अध्ययन

उद्देश्य	1. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा से अवगत कराना। 2. भारतीय साहित्य की अवधारणा और अनुवाद का अध्ययन कराना 3. भारतीय संदर्भ में तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन एवं उद्देश्य की जानकारी प्राप्त कराना।
अधिगम उपलब्धियाँ	1. तुलनात्मक साहित्य की संकल्पना एवं स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी। 2. अनुवाद के माध्यम से भारतीय साहित्य का अध्ययन कर सकेंगें। 3. भारतीय संदर्भ में तुलनात्मक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकेंगें।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**भारतीयता और तुलनात्मकता** 1.1 भारत : एक बहुभाषिक देश–तुलनात्मकता के लिए आदर्श 1.2 तुलनात्मक साहित्य की संकल्पना 1.3 तुलनात्मक साहित्य : अर्थ और स्वरूप 1.4 राष्ट्रीय साहित्य की संकल्पना	
	इकाई–2	**भारतीय साहित्य और अनुवाद** 2.1 तुलनात्मक साहित्य : भारतीय संदर्भ 2.2 भारतीय साहित्य का अध्ययन और अनुवाद 2.3 अनुवादों के माध्यम से भारतीय साहित्य का अध्ययन 2.4 भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता	
	इकाई–3	**तुलनात्मक साहित्य : अध्ययन और उद्देश्य** 3.1 भारतीय साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया 3.2 अनेकता में एकता : अन्तर्सांस्कृतिकता 3.3 तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया 3.4 कृति एक : अनुवाद अनेक	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1.	तुलनात्मक साहित्य	:	सं. नगेंद्र
2.	तुलनात्मक साहित्य की भूमिका	:	इन्द्रनाथ चौधरी
3.	कम्परेटिव लिटरेचर	:	एल्ड्रिज, एल्फ्रेड ओवेन
4.	हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण	:	डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम शीर्षक	अनुवाद और शिक्षा क्षेत्र
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-3012**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	अनुवाद विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों का सामान्य परिचय
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक / व्यावहारिक अध्ययन

उद्देश्य		अन्य भाषा शिक्षण में अनुवाद और शिक्षा का अंतर्संबंध समझना। शिक्षा के अन्य क्षेत्रों में अनुवाद अध्ययन से अवगत होना।	
अधिगम उपलब्धियाँ		1. शिक्षा और अनुवाद के संबंध को समझ सकेगा। 2. अनूदित सामग्री के उपयोग एवं अध्ययन से परिचित हो सकेगा। 3. शिक्षा के माध्यमों में अनुवाद की भूमिका से अवगत हो सकेगा।	
पाठ्यक्रम	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
	इकाई–1	**शिक्षा और अनुवाद** 1.1 शिक्षा और अनुवाद का संबंध 1.2 अन्य भाषा शिक्षण में अनुवाद की भूमिका 1.3 क्लासिक भाषाएँ एवं अनुवाद 1.4 साहित्य का अध्ययन और अनुवाद	
	इकाई–2	**अनूदित सामग्री का परिप्रेक्ष्य** 2.1 अनूदित सामग्री का अध्ययन 2.2 प्राचीन ज्ञान का अध्ययन और उपयोग 2.3 विदेशी ज्ञान का उपयोग और अध्ययन 2.4 विकास का संदर्भ और अनुवाद	
	इकाई–3	**शिक्षा माध्यम और अनुवाद** 3.1 शिक्षा माध्यम से तात्पर्य 3.2 शिक्षा माध्यम का अनुवाद से संबंध 3.3 शैक्षिक सामग्री का उद्देश्य 3.4 दूरशिक्षा सामग्री निर्माण	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. तुलनात्मक साहित्य : सं. नगेंद्र
2. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इन्द्रनाथ चौधरी
3. अनुवाद की सामाजिक भूमिका : डॉ. रीतारानी पालीवाल
4. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	मनविकी अनुवाद
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-4001**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	अनुवाद एवं उससे संबंधित विविध पक्षों की समझ अपेक्षित।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	व्यावहारिक अध्ययन

उद्देश्य	मानविकी विषयों के अनुवाद का समग्रत : व्यावहारिक ज्ञान और अभ्यास करवाना, जिससे उक्त विषयों के अनुवाद की दक्षता विकसित हो।
अधिगम उपलब्धियाँ	1. मानविकी विषयों के अनुवाद की व्यावहारिक दक्षता। 2. हिंदी–अँगरेज़ी (विलोमतः) अनुवाद के व्यावहारिक अभ्यास द्वारा मानविकी अनुवाद कौशल।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**इतिहास और समाजशास्त्र-विषयक अनुवाद : व्यावहारिक अभ्यास** 1.1 इतिहास-विषयक अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद 1.2 इतिहास-विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद 1.3 समाजशास्त्र-विषयक अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद 1.4 समाजशास्त्र-विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद	
	इकाई–2	**दर्शन और मनोविज्ञान-विषयक अनुवाद : व्यावहारिक अभ्यास** 2.1 दर्शन-विषयक अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद 2.2 दर्शन-विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद 2.3 मनोविज्ञान-विषयक अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद 2.4 मनोविज्ञान-विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद	
	इकाई–3	**अर्थशास्त्र और विधि-विषयक अनुवाद : व्यावहारिक अभ्यास** 3.1 अर्थशास्त्र-विषयक अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद 3.2 अर्थशास्त्र-विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद 3.3 विधि-विषयक अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद 3.4 विधि-विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. शब्दकोश : डॉ. रामचन्द्र वर्मा
2. अनुवाद विज्ञान : डॉ. नगेन्द्र
3. अनुवाद का वाक्यात्मक व्याकरण : डॉ. सूरजभान सिंह
4. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह (हिंदी-अंग्रेजी), मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
5. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	वाणिज्य–विषयक अनुवाद
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-4002**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	भाषा प्रयुक्ति और अनुवाद सिद्धांत का समान्य परिचय
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन

उद्देश्य	वाणिज्यिक भाषा एवं उसके स्वरूप से परिचित कराना। वाणिज्यि–विषयक अनुवाद की समस्याओं एवं सीमाओं से अवगत कराना
अधिगम उपलब्धियाँ	वाणिज्यिक भाषा, क्षेत्र एवं योग्यता परिस्थितियों को समझ सकेगा। वाणिज्यि–क्षेत्र में अनुवाद की अयोगिता एवं उसकी समस्याओं को जान सकेगा। वाणिज्यिक–विषयक व्यावहारिक अनुवाद का कौशल विकसित कर सकेगा

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**वाणिज्यिक भाषा और अनुवाद** 1.1 वाणिज्य-क्षेत्र, युगीन परिस्थितियाँ 1.2 वाणिज्यिकी पारिभाषिकी की एकरूपता 1.3 वाणिज्यिक संस्थाओं में हिंदी 1.4 व्यावसायिक क्षेत्र में विज्ञापनों की भाषा 1.5 वाणिज्य-विषयक अनुवाद की समस्याएँ	
	इकाई–2	**वाणिज्य के क्षेत्र** 2.1 बैंकिंग विषयक सामग्री 2.2 बीमा विषयक सामग्री 2.3 शेयर डिबेंचर 2.4 संचार-सेवा विषयक 2.5 व्यावहारिक शब्दावली (राजस्व एवं कराधान विषयक सामग्री)	
	इकाई–3	**वाणिज्यिक क्षेत्र के अनुवाद : व्यावहारिक पक्ष** 3.1 बैंकिंग विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद 3.2 बीमा विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद 3.3 शेयर-डिबेंचर-हिंदी अंग्रेज़ी अनुवाद 3.4 संचार सेवा-हिंदी अंग्रेज़ी अनुवाद 3.5 राजस्व एवं कराधान-हिंदी अंग्रेज़ी अनुवाद	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से
किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. शब्दकोश : डॉ. रामचन्द्र वर्मा
2. अनुवाद विज्ञान : डॉ. नगेन्द्र
3. अनुवाद का वाक्यात्मक व्याकरण : डॉ. सूरजभान सिंह
4. वाणिज्य शब्दावली (अंग्रेजी-हिंदी), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार, दिल्ली
5. व्यावसायिक हिंदी, दिलीप सिंह, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
6. बैंकिंग एवं बीमा शब्दावली, डा. सुरेन्द्र, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमि., नयी दिल्ली

7 हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	विज्ञान–विषयक अनुवाद
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-4003**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	व्यावहारिक अनुवाद का अभ्यास।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	व्यावहारिक अध्ययन

उद्देश्य	1. विज्ञान–विषयक अनुवाद की जानकारी कराना। 2. हिंदी अंग्रेज़ी में जीवविज्ञान–विषयक अनुवाद का परिचय कराना। 3. आयुर्विज्ञान और कृषि विज्ञान विषयक–अनुवाद का व्यावहारिक अभ्यास कराना।
अधिगम उपलब्धियाँ	1. विज्ञान की भाषा को समझकर उसके अनुवाद की समस्याओं से अवगत होंगें। 2. जीवविज्ञान–विषयक अनुवाद का व्यावहारिक अभ्यास सीखेंगें। 3. आयुर्विज्ञान और कृषि विज्ञान विषयक–अनुवाद के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेगा।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**विज्ञान की भाषा का वैशिष्ट्य** 1.1 तथ्य, सूचना, तर्क 1.2 सुनिश्चितता, सटीकता, संक्षिप्तता 1.3 अभिधात्मकता, विश्लेषणात्मकता, एकार्थता 1.4 संकल्पनात्मक चिह्न और सूत्र 1.5 विज्ञान-विषयक अनुवाद की समस्याएँ	
	इकाई–2	**विज्ञान और जीवविज्ञान-विषयक अनुवाद : व्यावहारिक अभ्यास** 2.1 विज्ञान-विषयक (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित) अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद 2.2 विज्ञान-विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद 2.3 जीव विज्ञान-विषयक (प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और जीव रसायन) अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद 2.4 जीव विज्ञान विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद	
	इकाई–3	**आयुर्विज्ञान और कृषि विज्ञान विषयक-अनुवाद : व्यावहारिक अभ्यास** 3.1 आयुर्विज्ञान-विषयक अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद 3.2 आयुर्विज्ञान-विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद 3.3 कृषि विज्ञान-विषयक अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद 3.4 कृषि विज्ञान-विषयक हिंदी-अंग्रेज़ी अनुवाद	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1. शब्दकोश : डॉ. रामचन्द्र वर्मा
2. अनुवाद विज्ञान : डॉ. नगेन्द्र
3. अनुवाद का वाक्यात्मक व्याकरण : डॉ. सूरजभान सिंह
4. बृहद पारिभाषिक शब्द-संग्रह : कृषि-विज्ञान, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
5. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, इंजीनियरी-।।, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
6. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, इंजीनियरी (सिविल, विद्युत, यांत्रिक), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
7. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, विज्ञान : खंड - 2, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भाारत सरकार
8. बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, विज्ञान, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
9. बृहत् पारिभाषिक शब्द संग्रह, मुद्रण इंजीनियरी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार, दिल्ली
10 इस्पात एवं अलोह धातुकर्म शब्दावली, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार, दिल्ली
11 बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, विज्ञान : खंड - 1, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
12 बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, आयुर्विज्ञान - भेषज विज्ञान, शारीरिक नृविज्ञान, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
13 बृहत् पारिभाषिक शब्द-संग्रह, आयुर्विज्ञान, कृषि एवं इंजीनियरी (हिंदी-अंग्रेजी), वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
14. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	अनुवाद–मूल्यांकन एवं पुनरीक्षण
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-4011**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	हिंदी–अँगरेजी (विलोमतः) सामान्य एवं विशिष्ट अनुवाद की व्यावहारिक जानकारी।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन

उद्देश्य	अनुवाद–मूल्यांकन से जुड़े विविध पक्षों–आधारों का व्यावहारिक परिज्ञान करवाना, जिससे अनुवादके मूल्यांकन–परीक्षण की व्यावहारिकता विकसित हो।
अधिगम उपलब्धियाँ	1. अनुवाद के मूल्यांकन विषयक निकष में व्यावहारिक दक्षता। 2. अनुवादविषयक सामग्री–पुनरीक्षण–कौशल। 3. साहित्यिक अनुवाद–मूल्यांकन का व्यावहारिक कौशल।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**अनुवाद-मूल्यांकन** 1.1 मूल्यांकन के आधार (शब्द, ध्वनि, अर्थ, व्याकरण आदि) 1.2 विविध विषयों में मूल्यांकन के निकष 1.3 मूल्यांकन का व्यावहारिक पक्ष 1.4 अस्पष्ट अनुवाद से अभिप्राय	
	इकाई–2	**अनुवाद पुनरीक्षण** 2.1 पुनरीक्षण : अभिप्राय, महत्त्व और आवश्यकता 2.2 पुनरीक्षक के गुण एवं योग्यताएँ 2.3 पांडुलिपि पुनरीक्षण 2.4 प्रूफ़-शोधन और प्रेस पांडुलिपि	
	इकाई–3	**अनुवाद-मूल्यांकन : व्यावहारिक अध्ययन** 3.1 शेक्सपीयर के मूल अंग्रेज़ी नाटक 'मेकबेथ' का अध्ययन 3.2 अमृतराय कृत अनुवाद का अध्ययन 3.3 हरिवंशराय बच्चन कृत अनुवाद का अध्ययन 3.4 रांगेय राघव कृत अनुवाद का अध्ययन 3.5 उपुर्यक्त तीनों अनुवादों का तुलनात्मक अध्ययन	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1.	शब्दकोश	:	डॉ. रामचन्द्र वर्मा
2.	अनुवाद विज्ञान	:	डॉ. नगेन्द्र
3.	अनुवाद का वाक्यात्मक व्याकरण	:	डॉ. सूरजभान सिंह
4	हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण	:	डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	पर्याय चयन और जटिल वाक्य संरचना
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-4012**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	हिंदी व्याकरण का सामान्य परिचय। हिंदी शब्द निर्माण एवं वाक्य–संरचना का सामान्य बोध।
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन

उद्देश्य	व्यावहारिक अनुवाद में पर्याय चयन की कौशल विकसित कराना तथा हिंदी–अंग्रेजी की जटिल वाक्य–संरचना को तुलनात्मक रूप से सीखाना।
अधिगम उपलब्धियाँ	व्यावहारिक अनुवाद में पर्याय की भूमिका एवं पर्याय सैद्धांतिक से अवगत हो सकेगा। पर्याय चयन को समझने में शब्दकोशों की भूमिका से परिचित हो सकेगा। हिंदी–अंग्रेज़ी की वाक्य संरचना का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेगा।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**पर्याय : उपकरण और अर्थ** 1.1 पर्याय-एक महत्वपूर्ण पक्ष और उसका प्रयोग 1.2 उपकरण अर्थात् शब्दकोशों का उपयोग 1.3 स्रोतभाषा एवं लक्ष्यभाषा में पर्याय की समस्याएँ 1.4 पर्याय : सांस्कृतिक जटिलताएँ	
	इकाई–2	**शब्दकोश : पर्याय के परिप्रेक्ष्य** 2.1 सामान्य शब्दकोशों की सीमाएँ 2.2 मानविकी के क्षेत्र एवं पारिभाषिक शब्दावली 2.3 हिंदी पर्यायवाची कोश 2.4 पर्याय की समस्याएँ	
	इकाई–3	**जटिल वाक्य संरचनाएँ** 3.1 वाक्यों का स्वरूप और संरचनाएँ 3.2 वाक्यों का वैचारिक पक्ष 3.3 अंग्रेजी-हिंदी वाक्य तुलनाएँ 3.4 लंबे एवं जटिल वाक्यों का अनुवाद	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(ii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1.	शब्दकोश	:	डॉ. रामचन्द्र वर्मा
2.	अनुवाद विज्ञान	:	डॉ. नगेन्द्र
3.	अनुवाद का वाक्यात्मक व्याकरण	:	डॉ. सूरजभान सिंह
4.	हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण	:	डॉ० आरिफ़ नज़ीर

पाठ्यक्रम (सत्र 2020–2021)

पाठ्यक्रम शीर्षक	पश्चिम में अनुवाद–चिंतन की परंपरा
पाठ्यक्रम क्रमांक	**HTM-4013**
क्रेडिट	04
पाठ्यक्रम श्रेणी	अनिवार्य
पूर्वापेक्षा	अनुवाद–विज्ञान का सामान्य परिचय
संपर्क समयांतराल	4–1–0
पाठ्यक्रम प्रकार	सैद्धांतिक अध्ययन

उद्देश्य	पक्ष्चिम अनुवाद की चुितन–परंपरा के विकास को समझना।
अधिगम उपलब्धियाँ	1. पूरब और पश्चिम की अनुवाद–परंपरा को समझ सकेगा। 2. पश्चिम के प्रमुख देशों में अनुवाद की विभिन्न परंपराओं से परिचित हो सकेगा। 3. आधुनिक यूरोप में निर्मित अनुवाद की सैद्धांतिकी तथा अनुवाद के सिद्धांतकारों से हो सकेगा।

	माड्यूल	विषय	व्याख्यान
पाठ्यक्रम	इकाई–1	**पश्चिम में अनुवाद और अनुवाद-सिद्धांत** 1.1 पश्चिम से अभिप्राय और क्षेत्र-निर्धारण 1.2 पूरब और पश्चिम का विभाजन 1.3 पश्चिम में अनुवाद की ऐतिहासिक उपस्थिति 1.4 अनुवाद-सिद्धांत की आधार-सामग्री	
	इकाई–2	**विविध देश–विविध अनुवाद** 2.1 ईसापूर्व अनुवाद की स्थिति 2.2 यूनान एवं रोम में अनुवाद का स्वरूप 2.3 स्पेन, जर्मनी और फ्रांस में अनुवाद का विकास 2.4 इंग्लैंड में अनुवाद एवं अनुवाद-चिंतन	
	इकाई–3	**आधुनिक यूरोप में अनुवाद की उपस्थिति** 3.1 17वीं और 18वीं शताब्दी के प्रमुख अनुवादक 3.2 धार्मिक तथा धर्मेतर अनुवाद का परिप्रेक्ष्य 3.3 18वीं तथा 19वीं शताब्दी में अनुवाद-चिंतन 3.4 अनुवाद-विज्ञान का निर्माण : यूजीन ए नाइडा	

नोट :

(i) इस प्रश्नपत्र में तीन खंड होंगे। प्रथम खंड में 05-05 अंक के चार लघूत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 100-150 शब्द होगी। द्वितीय खंड में 10-10 अंक के चार प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द-सीमा 200-250 शब्द होगी। तृतीय खंड में 15-15 अंक के तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे, इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

2x5= 10; 3x10=30; 2 x 15 = 30; कुल= 70

(iii) सेशनल के लिए 30 अंक निर्धारित हैं।

सहायक पुस्तकें :

1.	टुवर्ड्स साइंस ऑफ ट्रांस्लेशन	:	यूजीन ए नाइडा
2.	अनुवाद विज्ञान	:	डॉ. नगेन्द्र
3.	अनुवाद विज्ञान	:	भोलानाथ तिवारी
4.	हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्वभाषी कम्प्यूटरीकरण	:	डॉ० आरिफ़ नज़ीर